अमर उजाला

एकेटीयू में लागू होगा डिजिटल इवैल्यूएशन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों को यह शिकायत नहीं रहेगी कि उनकी कॉपी का सही मूल्यांकन नहीं हुआ या शिक्षक ने किसी पेज को देखा ही नहीं। इन समस्याओं से निपटने के लिए विश्वविद्यालय वर्तमान सत्र से ही डिजिटल इवेल्यूएशन शुरू कर रहा है। इसकी शुरुआत एमटेक की जारी परीक्षाओं के मूल्यांकन से होगी। इसके बाद दूसरे चरण में बीटेक व अन्य कोर्स शामिल किए जाएंगे। डिजिटल इवेल्यूएशन के तहत कॉपियों का मूल्यांकन दिसंबर अंत या जनवरी पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने एमटेक की उत्तर पुस्तिकाओं के आकार में भी बदलाव किया है।

अब कॉपियां जांचने में नहीं चलेगी लापरवाही

हर पेज पर करनी होगी टिप्पणी

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. बीएन मिश्रा ने बताया कि अब कॉपियों को जांचते समय शिक्षकों को प्रत्येक पेज को न सिर्फ देखना बल्कि उस पर कमेंट भी देना होगा तभी दूसरा पेज खुलेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए बने कॉलम में अंक देने होंगे भले ही वह शून्य हों। किसी कॉलम को रिक्त छोड़ने पर दूसरा पेज नहीं खुलेगा। अक्सर ही ऐसे आरोप लगते हैं कि शिक्षक ने अधिक कॉपियां कम समय में जांचने के चक्कर में ठीक से उत्तर देखे ही नहीं या औपचारिकता के तौर पर सभी पेज खोलकर अंक देते गए। मगर, अब डिजिटल इवेल्यूएशन में ऐसा नहीं हो सकेगा। इसमें उन्हें प्रत्येक पेज के लिए निर्धारित न्यूनतम समय जांच में देना ही होगा तभी दूसरा पेज खुलेगा। इसकी व्यवस्था सॉफ्टवेयर में की गई है।

डाटाबेस में आ जाएंगे अंक

शिक्षकों को एक विशेष लॉगिन एलॉट होगा, जिसमें पासवर्ड के जरिए ही वह कॉपियों को जांच पाएंगे। इसके लिए तैयार विशेष सॉफ्टवेयर में विंडो खुलते ही स्क्रीन पर एक साइड आंसर शीट के पन्ने और दूसरी तरफ सॉल्यूशन की पीडीएफ फाइल खुल जाएगी। स्क्रीन पर ही अंक भरने की जगह होगी। शिक्षक जिस उत्तर को जांचेंगे साथ दिए गए कॉलम में उसके अंक चढ़ाएंगे। पूरी कॉपी चेक होते ही टोटल सामने आ जाएगा। इससे कॉपियों के जोड़ में होने वाली गड़बड़ी भी खत्म होगी। अक्सर स्क्रूटनी में ऐसे मामले सामने आते हैं जिनमें अंकों का जोड़ सही नहीं होता या किसी प्रश्न के उत्तर को जोड़ा ही नहीं गया होता। अभी तक कॉपियों को मूल्यांकन केंद्रों पर भेजा जात है और चेक होने के बाद शिक्षक उनके अंक विश्वविद्यालय को भेजते हैं। इस प्रक्रिया में कई दिन का समय लगता है, लेकिन अब विश्वविद्यालय स्कैन कराई गई कॉपियों को ऑनलाइन ही मूल्यांकन केंद्रों को उपलब्ध कराएंगे। कॉपी को जांच कर जैसे ही सबमिट किया जाएगा उसके अंक विश्वविद्यालय के डाटाबेस में आ जाएंगे। इससे रिजल्ट निकलने की प्रक्रिया भी बेहतर हो सकेगी।

एक क्लिक पर मिलेगी कॉपी

डिजिटल इवेल्यूएशन के कई अन्य फायदे भी हैं। प्रो. मिश्रा ने बताया कि यदि कभी कोई स्कूटनी या चैलेंज इवेल्यूएशन के लिए आवेदन करता है तो वर्तमान व्यवस्था में उसकी कॉपी खोज पाना ही चुनौती होती है। कई बार तो कॉपी मिलने में ही 7-8 दिन लग जाते हैं, लेकिन सभी कॉपियां स्कैन होने से मात्र एक क्लिक भर का समय लगेगा। इसके बाद तत्काल उस पर आवश्यक कार्रवाई भी की जा सकती है। इसके अलावा रिजल्ट में पारदर्शिता बढ़ेगी और गड़बड़ी की गुंजाइश काफी कम हो जाएगी।

कलाम विवि में बनेगा एडवांस स्टडी सेंटर

लखनऊ (ब्यूरो)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में जल्द ही एडवांस स्टडी सेंटर की स्थापना होगी। एडवांस स्टडी सेंटर में एमटेक और पीएचडी के साथ ही एमटेक पीएचडी के इंटीग्रेटेड कोर्स की पढ़ाई भी होगी। ये कोर्स इंफॉर्मेशन कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी सायबर लॉ, इंक्यूएशन एंड ऑटोमेशन की पढ़ाई होगी। ये कोर्स चलाने के लिए विवि ने शासन से पद भी मांगे हैं। एकेटीयू में प्रस्तावित एडवांस स्टडी सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव विवि ने शासन को भेज दिया है। प्रस्ताव में स्टडी सेंटर के लिए 120 पदों की मांग भी की गई है। प्रस्ताव के अनुसार स्टडी सेंटर में इंफॉर्मेशन कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी सायबर लॉ, इंक्यूएशन एंड ऑटोमेशन की पढ़ाई होगी। इन विषयों में पहली बार स्टडी सेंटर के माध्यम से एमटेक और पीएचडी की इंटीग्रेटेड पढ़ाई हो सकेगी। साथ ही स्टडी सेंटर में रिवर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की स्थापना भी होगी।

i next, Lucknow, 23 December 2015

II CITY FOCUS

125 इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों को नोटिस

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (22 Dec): प्रदेश के इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों में एमबीए एडमिशन में बड़ा खेल सामने आया था. इन संस्थाओं की ओर से अपनी सीटें भरने के लिए बड़े स्तर पर फर्जी एडमिशन का सहारा लिया गया था. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) ने जब एडमिशन और फर्स्ट सेमेस्टर एग्जाम की उपस्थिति के ब्यौरे का मिलान किया तो रिपोर्ट काफी चौकाने वाले आकड़े सामने आए हैं. कई कॉलेजों में तक करीब करीब सौ फीसदी तक स्टूडेंट्स गायब मिले हैं. इन कॉलेजों की ओर से शुल्क प्रतिपूर्ति का पैसा हड़पने के लिए यह खेल किया गया है. इन कॉलेजों को एकेटीयू प्रशासन की ओर से कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया गया है. यूनिवर्सिटी ने प्रशासन ने अपने 125 कॉलेजों को नोटिस जारी किया है, जिसमें से दस कॉलेज राजधानी के हैं.

जांच कराने की तैयारी

एकेटीयू के वीसी प्रो. विनय कुमार पाठक ने बताया कि इन सभी कॉलेजों की शिकायत मिलने पर इसकी जांच उच्च स्तरीय कमेटी से कराने की तैयारी की जा रही हैं. इन कॉलेजों को जारी नोटिस का जवाब मिलने के बाद उन पर कार्रवाई की जाएगी. उदाहरण के लिए बागपत के लिए आर्यभट्ट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 46 स्टूडेंट्स ने एमबीए कोर्स में एडमिशन और सभी जांच के दौरान अनुपस्थित रहे. वहीं बागपत के ही इंद्रदेव इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी में एमबीए कोर्स में 54 में से 52 स्टूडेंट्स जांच के दौरान गायब मिले. वहीं पूरे स्टेट में एमबीए कोर्स चलाने वाले ऐसे 36 मैनेजमेंट कॉलेजों की रिपोर्ट मिली है जिसमें सौ प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक स्टूडेंट्स कॉलेज से गायब मिले. वहीं 14 एमबीए कॉलेज ऐसे हैं जहां पर 49.56 से लेकर 40 प्रतिशत तक, 17 एमबीए कॉलेज ऐसे हैं जहां पर 30 प्रतिशत से लेकर 30 प्रतिशत और 30 एमबीए कॉलेज ऐसे हैं जहां पर 29 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक स्टूडेंट्स जांच के दौरान अनुपस्थित मिले हैं.